

मेला कार्तिक का आया | By Pankaj Sharma

मेला कार्तिक का आया
मैं बाबा घणी दूर ते आया
पहले के भीड़ थोड़ी थी
ऊपर से मी बरसाया
क्यूँ मी के साथ या आंधी तेज़ चलावे से हाय
इब दर्शन दे दे बाबा क्यूँ तडपावे से
मेला कार्तिक का आया

सुण्या सै बाबा खाटू में बड़ी सेटिंगचाले से
VIP सेटां के आगे खुल ज्यां ताले से
मैं थर थर थर थर कांपू तू मुस्कावे से हाय
इब दर्शन दे दे बाबा क्यूँ तडपावे से
क्यूँ मी के साथ या आंधी तेज़ चलावे से हाय
इब दर्शन दे दे बाबा क्यूँ तडपावे से
मेला कार्तिक का आया

देसी घी के चूरमे में पानी मिल ज्यागा
आलाह चूरमा खा के तेरा स्वाद बिगड़ ज्यागा
क्यूँ झर झर झर झर मी की झड़ी लगावे से हाय
इब दर्शन दे दे बाबा क्यूँ तडपावे से
क्यूँ मी के साथ या आंधी तेज़ चलावे से हाय
इब दर्शन दे दे बाबा क्यूँ तडपावे से
मेला कार्तिक का आया

चूरमे का शौकीन सा लागे विनती सुन तो लो
स्वाद की खातिर मी और आंधी कोसो दूर करी
क्यूँ पल पल पल पल बेचैनी तू बढावे से
इब दर्शन दे दे बाबा क्यूँ तडपावे से
क्यूँ मी के साथ या आंधी तेज़ चलावे से हाय
इब दर्शन दे दे बाबा क्यूँ तडपावे से
मेला कार्तिक का आया

तेरी मूरत देख के न्यू लागया तेरे दिल में समाना सै
पंकज का इब हाथ पकड़ संग घर मेरे जाना से
एक पल के दर्शन से कदे चैन भी आवे से
मेरे संग हो ले मेरे बाबा क्यूँ तडपावे से
तेरा छम छम छम छम छम छम लीला नाचे से हाय
मेरे संग हो ले मेरे बाबा क्यूँ तडपावे से

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b2%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%a4%e0%a4%bf%e0%a4%95-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a4%be-by-pankaj-sharma/>